मनसा शिक्षा महाविद्यालय कुरूद, भिलाई

(SOP for INTERNSHIP)

शाला अनुभव कार्यक्रम

प्रयोजन-

शाला अनुभव कार्यक्रम की संकल्पना विद्यालय के समग्र अनुभव की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है । इसमें छात्रध्यापकों को संपूर्ण शाला के साथ कार्य करके उसके विभिन्न पहलुओं यथा बच्चे ,कक्षा, कक्षा कक्ष बच्चों की सीखने की प्रक्रिया ,पाठ्यक्रम समाज आदि को समझने के अवसर मिलने चाहिए । जिससे संवेदनशील और चिंतनशील शिक्षक तैयार करने के लिए ऐसे अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता है जो छात्राध्यापकों को समुदाय व बच्चों को समझने समस्याओं को पहचान और उनसे जूझने के लिए तैयार करे। और छात्राध्यापक सैद्धांतिक रूप से सीखी बातों को परख सकते हैं और क्षेत्र की विशेषताओं पर विचार कर सकते हैं।

क्षेत्र -

अभ्यास हेतु शाला का चयन करने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी की मदद से उच्च प्राथमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शालाओं का चयन व निर्धारण किया जाता है साथ ही संस्था के 10 _12 किलोमीटर की परिधि में शालाओं का चयन किया जाता है । परंतु सभी छात्राध्यापकों को यदि शाला उपलब्ध नहीं हो जाती है तो जिले के अंदर की अन्य शालाओं का चयन किया जाता है शाला अनुभव कार्यक्रम द्वितीय सेमेस्टर में 4 सप्ताह का होता है एवं तृतीय सेमेस्टर में नियमित रूप से 16 सप्ताह तक इंटर्न के रूप में कार्य करते है।

लक्ष्य एवं उद्देश्य

- शाला अवलोकन कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य प्रशिक्षण साथियों को विद्यालय के माहौल से अवगत |
- कराना और ऐसे शिक्षकों का निर्माण करना है जो समाज और देश के विकास में भागीदार बन सके |
- कौशल विकास __ प्रशिक्षणर्थियों में लेखन, मौखिक, संचार कौशल (सीखना, सुधारना, अनुसंधान, टीम वर्क , नेतृत्व) का विकास करना ।
- अनुप्रयोग को समझना _ प्रशिक्षणर्थियों को कार्य स्थल की संचालन प्रक्रिया को समझना ।
- कैरियर जागरूकता - प्रशिक्षणर्थियों को किसके लिए काम करना, कैरियर स्थितियां के बारे में सीखना, उन पदो को प्राप्त करने के लिए आवश्यक गुण एवम प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना ।
- व्यक्तिगत विकास - शाला अवलोकन के दौरान प्रशिक्षार्थी में आत्म विश्वास , दृढ़ता और बुनियादी कार्य आदतें विकसित करने के अवसर प्रदान करना

उत्तरदायित्व-

शिक्षक प्रशिक्षक की भूमिका

- शिक्षक प्रशिक्षक यह भी सुनिश्चित करते हैं कि प्रशिक्षुओं को उनके इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान सीखने का सर्वोत्तम अनुभव मिले।
- स्कूल में विद्यार्थियों की समस्याओं पर भी ध्यान देते हैं और उनके स्तर पर व्यवहार्य समाधान प्रदान करते हैं।
- शिक्षक शिक्षक छात्रों के अवलोकन कौशल और स्कूल की गतिविधियों में उनकी भागीदारी का मूल्यांकन करता है
- प्रदर्शन में सुधार के लिए प्रशिक्षु को उचित फीडबैक प्रदान किया जाता है।
- इंटर्नशिप के दौरान शिक्षक प्रशिक्षुओं की नियामक और समय की पाबंदी सुनिश्चित करना |

स्कूल प्रिंसिपल की भूमिका

- प्रशिक्षुओं को कक्षाओं के उचित आवंटन की देखभाल करना।
- प्रशिक्षुओं को स्कूल प्रणाली की कार्यप्रणाली और शिक्षक की भूमिका के बारे में उन्मुख करना।
- प्रशिक्षुओं को उनके प्रदर्शन के लिए समय-समय पर मार्गदर्शन प्रदान करना |
- सुधार के लिए किए गए अवलोकन के बारे में शिक्षक प्रशिक्षक को रिपोर्ट करना |

स्कूल टीचर की भूमिका

- अपने प्रशिक्षुओं को उनके साथ काम करने और सीखने के लिए सिस्टम में स्वागत करते हुए एक आरामदायक वातावरण प्रदान करना।
- कक्षाओं के संचालन में उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करना |
- कक्षा में प्रशिक्षुओं द्वारा पाठ योजना और उसके कार्यान्वयन पर नियमित टिप्पणियाँ प्रदान करना।
- शिक्षक प्रशिक्षक को प्रशिक्षुओं की प्रतिक्रिया प्रदान करना |

साथियों की भूमिका

- कक्षा की पूरी अवधि के दौरान साथियों के साथ बैठना और उनका निरीक्षण करना
- बेहतर प्रदर्शन के लिए साथियों की निगरानी करना
- सुधार के लिए साथियों के बीच प्रस्तुतिकरण पर चर्चा की जाती है
- अवलोकन पर विचार करना और स्वयं को बेहतर बनाना

प्रक्रिया

- सर्वप्रथम छात्र अध्यापकों को चयनित विद्यालय एवं विद्यालय में होने वाली विभिन्न गतिविधियों से परिचित करवाना।

- इसके लिए छात्र अध्यापकों को शाला में भेजने से पूर्व 10 दिनों तक महाविद्यालय में चर्चा कर अवलोकन के उद्देश्यों ,निर्देशों एवं अवलोकन के समय ध्यान दी जाने वाली बातों के बारे में स्पष्ट निर्देश दिया जाता है।
- छात्र अध्यापकों को विद्यालय में शिक्षक एवं प्रधान पाठक / प्राचार्य की भूमिकाओं के बारे में परिचित कराना ।
- प्रत्येक आठ छात्र अध्यापकों के लिए महाविद्यालय का एक प्राध्यापक नियुक्त होता है जो उनके मेंटर के रूप में कार्य करता है।
- प्रत्येक चरण में काम से कम एक बार प्रत्येक छात्र अध्यापक का प्रत्यक्ष अवलोकन किया जाता है।
- सभी मेंटरों की महाविद्यालय में सप्ताह के अंत में बैठक आयोजित की जाती है जिसमें शाला अनुभव फीडबैक प्राप्त किए जाते हैं।
- इस दौरान आने वाली कठिनाइयों को महाविद्यालय के प्राचार्य की संज्ञान में लाया जाता है एवं उसकी समस्या का समाधान निकाला जाता है।
- शाला अनुभव कार्यक्रम के अंत में छात्र अध्यापक द्वारा रिफ्लेक्टिव प्रतिवेदन लिखने में फीडबैक दिया जाता है।

इंटर्नशिप परिणाम

- स्कूल की गतिविधियों को स्वतंत्र रूप से संभालने की क्षमता विकसित करना ।
- पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने की दक्षता विकसित करता है ।
- ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से पाठ पढ़ाने में दक्षता विकसित करें ।
- पाठ्यचर्या संबंधी और सह पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियों के संचालन में दक्षता विकसित करता है ।
- पुस्तकों और साहित्यिक ग्रंथों का विश्लेषण और समीक्षा करने की क्षमता विकसित होती है।

प्रभारी

डॉ. संगीता श्रीवास्तव

प्राचार्य

Principal
Mansa College of Education
Kurud, Dhamtari (C.G.)